समाचार
- मुख्य पृष्ठ
- देश
- राज्य
- विदेश
- खेल
- कारोबार / शुभ लाभ
- संपादकीय
- आपके पत्र

चैनल्स
- कैरियर
- सिनेमा
- घर-परिवार
- फैशन/मेकअप
- बाल डॉट कॉम
- लतीफे
- टेलीविजन
- जायका
- फोटो गैलरी
- अवकाश
- धर्म-कर्म
- रिजल्ट
- सैर सपाटा
- भविष्य / पंचांग

एचबीटीआई के 11 विभागों को 'एनबीए' प्रमाणपत्र

आवासीय विश्वविद्यालय बनाने की कवायद तेज

अमर उजाला प्रतिनिधि
कानपुर।

नए साल के तोहफे के रूप में हरकोर्ट बटलर प्रौद्योगिकी संस्थान (एचबीटीआई) को उसके 13 में से 11 स्नातक पाठ्यक्रमों को नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रेडीशन ने एक्रेडीशन प्रमाणपत्र दे दिया है। यह जानकारी एचबीटीआई के निदेशक डा. केपी सिंह ने एक पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि इस उपलब्धि से संस्थान ने तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट स्थान पा लिया है। यहां के पाठ्यक्रम और सुविधाएं विश्व स्तर की घोषित हो जाने से अब यहां के छात्रों को विदेशी संस्थाओं में दाखिला पाने में किसी प्रकार की दिक्कतें नहीं आएंगी। इसी के साथ एचबीटीआई ने अपने यहां फार्मास्युटिकल इंजीनियरिंग और बायोटेक्नालॉजी के पाठ्यक्रमों के लिए भी शासन को प्रस्ताव भेजा है।श्री सिंह ने बताया कि अब संस्थान को सरकारी संस्थाओं, वित्तीय संस्थाओं से प्रयोगशालाओं, शोध परियोजनाओं, सुविधाओं के नवीनीकरण व उच्चीकरण के लिए आसानी से अनुदान प्राप्त हो सकेगा। एक्रेडीशन होना विश्व बैंक से अनुदान प्राप्त करने, भविष्य में राष्ट्रीय तकनीकी संस्थान या डीम्ड विश्वविद्यालय का स्तर पाने के लिए जरूरी शर्त है। भविष्य में तमाम अनुदान उन्हीं संस्थाओं को मिलेंगे जिनके पास 'एक्रेडीशन' है। अधिकारी एचबीटीआई को आवासीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिलाने के लिए प्रयासरत हैं।

उन्होंने बताया कि 82 वर्ष पुराने इस संस्थान में केवल स्नातक स्तर पर ही 13 पाठ्यक्रम संचालित हैं। ऑयल एंड पेंट टेक्नालॉजी जैसे पाठ्यक्रम केवल यहीं हैं। तकनीकी संस्थानों के पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता की अंतरराष्ट्रीय मानकों पर जांच करने वाली यूजीसी की संस्था नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रेडीशन ने कुछ दिनों पहले संस्थान का दौरा किया था। यहां सुविधाओं का जायजा लेने के बाद संस्था ने स्तरीय होने की घोषणा करते हुए उन सभी 11 पाठ्यक्रमों को एक्रेडीशन दे दिया जिनके लिए एचबीटीआई ने आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि यह अकेला ऐसा संस्थान है जहां केवल स्नातक स्तर पर ही इतने पाठ्यक्रमों को एक्रेडिशन मिला। कुलसचिव डा. यूएस तोमर का कहना है कि रूड़की विश्वविद्यालय (अब आईआईटी) उत्तराखंड में चले जाने से प्रदेश में एक भी आवासीय विश्वविद्यावलय नहीं रह गया है। सुविधाएं जुटाकर एचबीटीआई को ही आवासीय विश्वविद्यावलय बनवाने का प्रयास किया जाएगा।

आसान हो जाएगा विदेशी शिक्षा पाना

कानपुर। भारत में साधारण विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता परखने वाली संस्था नेशनल एक्रेडीशन काउंसिल 'नाक' और तकनीकी संस्थाओं के लिए 'एनबीए' है, उसी तरह अमेरिका, आस्ट्रेलिया और यूरोप में एक ही 'इंजीनियरिंग एंड टेक्नालाजी एक्रेडिशन बोर्ड' है। एचबीटीआई के निदेशक डा. केपी सिंह ने बताया कि 'वाशिंगटन एकार्ड' के अंतर्गत भारतीय बोर्ड उनके साथ एक समझौते पर जल्द ही हस्ताक्षर करेगा। इसके लिए विदेशी बोर्ड के सदस्य भारत का दौरा भी कर चुके हैं। इस समझौते के बाद भारत बोर्ड के सदस्य राष्ट्रों में शामिल हो जाएगा। तब विदेशों में दाखिला चाहने वाले छात्रों को विदेशी पाठ्यक्रमों से समकक्षता सिद्ध नहीं करनी पड़ेगी और न 'जीआरई', 'जीमैट' या 'टोफिल' जैसी मंहगी अर्हता परीक्षाएं देनी पड़ेंगी।

email story print story feedback
About us | Contact us | Media kit | Site Map | Site Search
©Amarujala.com 2004
Our Technology Partner 4CPlus